International Fleet Review 2016

A Naval Fleet Review is a long-standing tradition of navies world-over. The *Review* was conceived as a show of naval might and readiness for battle. In India, ten *Reviews* have been held so far, with the first in 1953 and the latest in 2011. The *Review* aims at assuring the country of the Indian Navy's preparedness, its high moral and discipline.

Assembling of warships without any belligerent intentions is now the norm. Leading nations of the world, occasionally invite their maritime neighbours, to participate with their ships in the review. Normally called 'International Fleet Review', the event then allows the host nation an occasion to display its maritime capabilities and mutual trust amongst maritime nations.

The only previous International Fleet Review in India was conducted in February 2001, off Mumbai. This earned the country widespread appreciation and goodwill. On 06th February 2016, the President of India, is scheduled to review the fleet of participating Indian and foreign warships off Vishakhapatnam. The International Fleet Review 2016 logo depicts the 3 operating dimensions of the Navy, with a ship, submarine and an aircraft, and also letters I-F-R form an integral part of the logo. The Dolphin has been chosen as the mascot, depicting friendship across oceans, and the theme is 'United through Oceans'.

The President of India being the Supreme Commander of the Armed Forces, once in his term, reviews the Indian Naval Fleet as part of the 'President's Fleet Review' (PFR). This review aims at assuring the country of the Indian Navy's preparedness, its high morale and discipline. Many leading nations of the world use the opportunity provided by a Fleet Review to enhance mutual trust and confidence with their maritime neighbours and partners by inviting their ships to participate in the Review. Normally called the 'International Fleet Review' (IFR), this event then provides the host nation an occasion to display its own naval prowess, and the bridges of friendship and trust it has built with other maritime nations. Owing to the many military-diplomatic benefits it accrues to the nation, the Indian Navy is conducting an International Fleet Review 2016, at Vishakhapatnam.

The Department of Posts is pleased to release a commemorative postage stamp on the occasion of International Fleet Review 2016.

Credits:-

Text : Based on the material received from proponent

Stamp/FDC/ Cancellation Cachet : Smt. Nenu Gupta

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA



अंतरराष्ट्रीय बेड़ा निरीक्षण
INTERNATIONAL FLEET REVIEW

BROCHURE विवरणिका

अंतरराष्ट्रीय बेड़ा पुनरीक्षण, 2016

नौसेना के बेड़े का पुनरीक्षण, विश्व की समस्त नौसेनाओं की चिर–प्रचलित परंपरा है। इस पुनरीक्षण की परिकल्पना, नौसेना के पराक्रम और युद्ध के लिए इसकी तैयारी के प्रदर्शन के रूप में की गई थी। भारत में अब तक दस पुनरीक्षण किए जा चुके हैं, जिनमें सबसे पहला पुनरीक्षण वर्ष 1953 में और पिछला पुनरीक्षण वर्ष 2011 में किया गया था। इस पुनरीक्षण का उद्देश्य देश को भारतीय नौसेना की तैयारी, इसके बुलंद हौसले और अनुशासन के संबंध में आश्वस्त करना है।

युद्धकारी इरादे न रखते हुए युद्धपोतों का इकट्ठे होना अब एक प्रथा बन चुका है। विश्व के अग्रणी राष्ट्र अपने पड़ोसी तटवर्ती देशों को पुनरीक्षण में अपने जहाजों के साथ सम्मिलित होने के लिए समय–समय पर आमंत्रित करते हैं। सामान्यतः 'अंतरराष्ट्रीय बेड़ा पुनरीक्षण' नाम से प्रचलित यह समारोह, मेजबान राष्ट्र को अपनी समुद्री क्षमताओं और अन्य तटवर्ती राष्ट्रों के मध्य पारस्परिक विश्वास को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में अब तक मात्र एक बार आयोजित पिछले अंतरराष्ट्रीय बेड़ा पुनरीक्षण का आयोजन फरवरी, 2001 में मुम्बई के निकट किया गया था। इससे हमारे देश ने व्यापक सराहना और सद्भावना अर्जित की थी। 6 फरवरी, 2016 को, भारत के राष्ट्रपति, विशाखापटनम के निकट, सहभागी भारतीय और विदेशी युद्धपोतों के नौसेना बेड़ों की पुनरीक्षा करेंगे। अंतरराष्ट्रीय नौसेना बेड़ा पुनरीक्षण, 2016 प्रतीक (लोगो) में नौसेना के 3 परिचालन आयामों को पोत, पनडुब्बी और हवाई जहाज के साथ चित्रित किया गया है तथा इसके साथ ही आई–एफ–आर वर्ण, इस लोगो का एक अनिवार्य हिस्सा है। डॉल्फिन को इसके शुभंकर के रूप में चुना गया है जो समुद्र–पार मैत्री का द्योतक है और इसका विषय है 'युनाइटेड थ्रू ओशन्स'।

भारत के राष्ट्रपति, सशस्त्र सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर होने के नाते अपने कार्यकाल में ''राष्ट्रपति का नौसेना बेड़े का पुनरीक्षण'' (पीएफआर) के भाग के रूप में एक बार भारतीय नौ सेना बेड़े का पुनरीक्षण करते हैं। इस पुनरीक्षण का उद्देश्य भारतीय नौसेना की तैयारी, इसके बुलंद हौसले और अनुशासन से देश को आश्वस्त करना है। विश्व के अनेक अग्रणी देश अपने तटवर्ती पड़ोसी देशों और सहभागियों को अपने पोतों के साथ इस पुनरीक्षण में भाग लेने के लिए आमंत्रित करके पारस्परिक विश्वास बढ़ाने के लिए नौसेना बेड़े के पुनरीक्षण द्वारा प्रदान किए गए अवसर का लाभ उठाते हैं। सामान्य तौर पर 'अंतरराष्ट्रीय बेड़ा पुनरीक्षण' (आईएफआर) नाम से प्रचलित यह समारोह मेजबान देश को अपनी नौसेना की ताकत और अन्य तटवर्ती देशों के साथ बनाए गए मैत्री संबंधों और विश्वास के प्रदर्शन का अवसर प्रदान करता है। इसके आयोजन से प्राप्त होने वाले अनेक सैन्य–राजनयिक लाभों के दृष्टिगत, भारतीय नौसेना विशाखापटनम में अंतरराष्ट्रीय बेड़ा पुनरीक्षण, 2016 का आयोजन कर रहा है।

डाक विभाग अंतरराष्ट्रीय बेड़ा पुनरीक्षण, 2016 के अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :–

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक डिकट/प्रथम दिवस आवरण / विरूपण : श्रीमती नीनू गुप्ता

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	500 पैसा 500 p
मुद्रित डाक–टिकटें Stamps Printed	: :	6.02 लाख 0.602 Million
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक–टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00